

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI BHUBANESWAR KALITA): Now, Shri Sanjay Singh; not present. Then, Shrimati Darshana Singh.

Need to take steps to prevent wastage of water and promote its conservation

श्रीमती दर्शना सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय, जल मनुष्य के जीवन का वह अहम हिस्सा है, जिसके बिना इंसान अपने जीवन के सफर को पूर्ण नहीं कर सकता है। मुझे यह कहते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री जी ने जल जीवन और सम्मान को समेकित करके देश के सभी गांवों और नगरों में भी हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाने की संकल्पना के साथ 15 अगस्त, 2019 को 'जल जीवन मिशन योजना' को प्रारम्भ किया। 'जल जीवन मिशन' के तहत चलाए गए इस कार्यक्रम को 'हर घर जल' का नाम दिया गया है। इसके तहत प्रतिदिन प्रत्येक व्यक्ति को 55 लीटर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। 3.6 लाख करोड़ रुपये से इस योजना को 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। माननीय प्रधान मंत्री जी के संकल्प से आज लद्दाख के 13,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित डेमचोक गांव के लोगों तक नल से पानी की आपूर्ति होने लगी है। इससे महिलाओं को दूर-दूर तक पानी लेने नहीं जाना पड़ता है। प्लम्बर, इलेक्ट्रिशियन आदि के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। अन्य नए प्रयोग भी हो रहे हैं। बल्क वॉटर ट्रांसफर ट्रीटमेंट प्लांट्स और डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क के अतिरिक्त पानी की गुणवत्ता को सुधारने के लिए नई तकनीकी का प्रयोग किया जा रहा है, लेकिन पानी की बरबादी एक बड़ी समस्या है।

अतः मैं सरकार से अनुरोध करना चाहती हूं कि पानी की बरबादी को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और वर्षा जल संचयन तथा ग्रे वॉटर के पुनः उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापक जन जागरण अभियान चलाया जाए।

SHRI MAHARAJA SANAJAOBA LEISHEMBA (Manipur): Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI MAHUA MAJI (Jharkhand): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI VANDANA CHAVAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI PABITRA MARGHERITA (Assam): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRIMATI S. PHANGNON KONYAK (Nagaland): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

Need for zero fees for SC/ST and poor students for different courses in colleges and universities of Uttar Pradesh

श्री रामजी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, देश का विकास बगैर शिक्षा के संभव नहीं है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2007 से लेकर 2012 तक के मुख्यमंत्रित्व कार्यकाल में तत्कालीन मुख्य मंत्री ने इस गंभीर समस्या को समझा और अपने पिछले कार्यकाल में एससी/एसटी व गरीब छात्रों को बीबीए, बीटेक, एमसीए, एलएलबी, एमबीए, एमबीबीएस, इंजीनियरिंग, बीएससी, बायोटेक, बीएड आदि कोर्सों हेतु जीरो फीस पर एडमिशन की व्यवस्था समस्त गरीब छात्रों के लिए की थी, तब से सभी छात्र अपनी शिक्षा को ग्रहण कर रहे थे। इनकी फीस की व्यवस्था समाज कल्याण विभाग अभी तक कर रहा था, लेकिन उत्तर प्रदेश में वर्तमान सरकार ने जीरो फीस की व्यवस्था खत्म कर दी है। इसकी वजह से उत्तर प्रदेश में हजारों छात्रों को कॉलेजों ने और विश्वविद्यालयों ने परीक्षा नहीं देने दी और कहा कि पहले फीस लेकर आओ, तब परीक्षा होगी। इसकी वजह से हजारों